

Press release

ICAR-Indian Agricultural Research Institute organized a week long programme from 26th September to 2nd October to commemorate the 150th birth anniversary of father of nation Mahatma Gandhi. This occasion has given us an opportunity to remind the humanity about the importance of the message of Mahatma Gandhi. Gandhi's lessons are relevant in every policy and plans of our country such as Swachh Bharat, rights of women and children, and of civil liberties of small and disadvantaged groups, health and well-being of the Indian farmer and the Indian villages. Hon'ble Prime Minister of India Shri Narendra Modi emphasized that all programmes associated with these celebrations should be designed around the theme of "Karyanjali" or "Gandhi in action". These events should serve to increase awareness about Gandhi nationally as well as globally and the occasion should be celebrated in a manner which ensures Mahatma Gandhi continues to be an inspiration for future generations. The seven days long programme started with cleanliness drive (Swachhta Abhiyaan) on 26th September from 9.30 am to 11.30 am which was led by Dr. A. K. Singh, Director, ICAR-IARI at Directorate campus along with Dr. V. K. Singh, Joint Director Extension, Dr. Rashmi Agarwal, Dean PG School, Shri Ratnesh Kumar Joint Director Administration and other staff members. All Head of Divisions along with scientist, staffs and students participated voluntarily and different Divisions of the institute premises could be cleaned on this special occasion of Swachhta Abhiyan by adopting all measures of social distancing and best hygiene practices. On the 2nd day of programme, Walkathon was organized at 8 am on 27th September which was inaugurated by Dr. R. C. Agrawal, Deputy Director General Education, ICAR from PG Hostel Ground and covered a distance of 3.5 km before reaching the same point with 100 participants. Dr. A.K Singh, Director, ICAR-IARI along with Joint Directors completed the walkathon and motivated the participants. The next three days celebrations from 28th September to 30th September were organized to inspire young minds and to provide an opportunity for showcasing their talents in painting, quiz and speech competitions being conducted in online mode. A total of about 100 school children of class V to XII from 6 different schools Ramjas Public School (Day Boarding), Anand Parwat; Andhra Education Society, Dr. K. Ramesh Babu Memorial Sr. Sec. School, Sector-VII, Pushp Vihar; Manav Sthali School, R-Block, New Rajendra Nagar; Bal Bharti Public School, Pusa Road; Andhra Educational Society, Prasad Nagar; Vivek Summit Public School, Patel Nagar and Sarvodaya Boys School, Pusa Campus could participate in different competition. The painting competition on Mahatma Gandhi Jeewan Darshan was organized in online mode on 28th September for two groups of students at junior and senior level separately in which total 61 students participated and 4 students from each group were selected for prizes. The online quiz competition on Mahatma Gandhi Jeewan Darshan Gyan was organized on 29th September and online speech competition on Gandhi Darshan: Atmanirbhar Bharat on 30th September and total 8 students were selected for different prizes. The online speech competition for IARI staff, students, research fellow

and scientists was organized on 1st October with 2 topics viz. Gandhi Darshan: Atmanirbhar Bharat and Badalte Parivesh me Gram swarajkaswaroop. The online skit competition based on life and philosophy of Gandhi Jee was organized for PG students of IARI during 26th September to 30th September and best 3 entries could be selected for prize.

The valedictory function of the week long programme was organized on 2nd October from 2.30 pm in virtual mode in August presence of Chief Guest Hon'ble Dr, Trilochan Mohapatra Secretary & DARE DG ICAR and renowned Gandhian Philosopher Padmashree Dr. Ravindra Kumar jee. The programme was started with Ma Saraswati Vandana and floral tribute to Mahatma Gandhi jee by all dignitaries. Dr. A.K. Singh, Director ICAR-IARI welcomed the chief guest and all other esteemed guests and participants. Padmashree Dr. Ravindra Kumar, former Vice Chancellor Chaudhary Charan Singh University, Meeruth and a renowned Gandhian philosopher delivered an excellent thought provoking lecture on "Gandhian way of Farming and Its Relevance Today". He could highlight different principles of Gandhian philosophy and its importance to Indian Agriculture and Environment and ways and means to make it sustainable. Dr. Trilochan Mohapatra, Director General, ICAR & secretary, DARE urged upon the scientists and students to take lessons from Gandhian philosophy and create innovations to make farming a sustainable and profitable venture for farmers of rural India. Participation certificates were given to all children of different schools and a total of 20 prizes in different competitions were distributed by chief guest. This week long programme on Gandhian philosophy invoked the new energy in students, staff, teachers and researchers. The programme concluded with a vote of thanks proposed by Dr V K Singh, Joint Director (Extension).

प्रेस विज्ञप्ति

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक एक सप्त-दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन ने हमें लोगों को महात्मा गांधी जी के संदेश के बारे में याद दिलाने का सुअवसर प्रदान किया। गांधी जी की शिक्षा, हमारे देश की प्रत्येक नीति और योजना यथा- स्वच्छ भारत, महिलाओं और बच्चों के अधिकारों, छोटे और वंचित समूहों की नागरिक स्वतंत्रता, स्वास्थ्य, भारतीय किसान एवं भारतीय गांवों के कल्याणके लिए प्रासंगिक हैं। भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस बात पर जोर दिया कि इन समारोहों से जुड़े सभी कार्यक्रमों की रूप रेखा "कर्माजली" या "गांधी इन एक्शन" विषय -वस्तु के आसपास तैयार की जाए। इन आयोजनों से राष्ट्रीय स्तर एवं वैश्विक स्तर पर गांधी जी के बारे में जागरूकता में वृद्धि होनी चाहिए। इस अवसर को इस तरीके से मनाया जाना चाहिए जो यह सुनिश्चित करता हो कि महात्मा गांधी जी भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा बने रहें। इस सप्त दिवसीय कार्यक्रम का प्रारंभ दिनांक 26 सितंबर को प्रातः 9.30 से 11.30 बजे तक स्वच्छता अभियान (स्वच्छ भारत अभियान) से हुआ, जिसका नेतृत्व निदेशालय परिसर में डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं., ने किया, जिसमें संस्थान के संयुक्त निदेशक, प्रसार, डॉ. वी.के. सिंह, डीन, स्नातकोत्तर विद्यालय, डॉ. रश्मि अग्रवाल, श्री रत्नेश कुमार, संयुक्त निदेशक, प्रशासन और स्टाफ के अन्य सदस्य भी सम्मिलित हुए। वैज्ञानिक, कर्मचारी और छात्रों के साथ समस्त संभागाध्यक्षों ने स्वैच्छिक रूप से इस आयोजन में भाग लिया और स्वच्छ भारत अभियान के इस विशेष अवसर पर संस्थान परिसर के विभिन्न संभागों को सामाजिक दूरी तथा स्वच्छता के सभी उपायों को अपनाते हुए साफ किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन, दिनांक 27 सितंबर को प्रातः 8 बजे "वाकथान "वॉकथॉन" का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन डॉ. आर.सी. अग्रवाल, उप महानिदेशक शिक्षा, भा.कृ.अनु.प. द्वारा पीजी हॉस्टल ग्राउंड से प्रारम्भ किया गया और अंतिम बिन्दु के रूप में उसी स्थान पर वापस पहुँचने से पहले कुल 100 प्रतिभागियों ने 3.5 किमी की दूरी तय की। डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं.ने संयुक्त निदेशकों के साथ "वॉकथॉन" पूरा कर अन्य प्रतिभागियों को प्रेरित किया। दिनांक 28 सितंबर से 30 सितंबर तक अगले तीन दिनों के समारोह का आयोजन युवा वर्ग को प्रेरित करने एवं ऑनलाइन मोड में आयोजित की जा रही पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी और भाषण प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करने के लिए किया गया था। छः विभिन्न स्कूलों नामतः रामजस पब्लिक स्कूल (डे बोर्डिंग), आनंदपर्वत; आंध्र एजुकेशन सोसाइटी; डॉ. के. रमेश बाबू मेमोरियल सीनियर स्केंडरी स्कूल, सेक्टर- VII, पुष्पविहार; मानवस्थली स्कूल आर- ब्लॉक, न्यू राजेंद्र नगर; बाल भारती पब्लिक स्कूल, पटेल नगर; सर्वोदय बाल विद्यालय, पूसा परिसर के कक्षा छठी से बारहवीं कक्षा के लगभग 100 स्कूली बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। 28 सितंबर को जूनियर और सीनियर स्तर पर छात्रों के दो समूहों के लिए महात्मा गांधी जीवनदर्शन पर चित्रकला प्रतियोगिता ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई, जिसमें कुल 61 छात्रों ने भाग लिया था और प्रत्येक समूह के 4 छात्रों को पुरस्कार के लिए चुना गया।

दिनांक 29 सितंबर को महात्मा गांधी जीवनदर्शन पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। दिनांक 30 सितंबर को गांधी दर्शन: आत्मनिर्भर भारत विषय पर ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कुल 8 छात्रों को विभिन्न पुरस्कारों के लिए चुना गया।

ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता,दिनांक 1 अक्टूबर को,भा.कृ.अनु.सं. के कर्मचारी,छात्रों, शोधार्थी और वैज्ञानिकों के लिए 2 विषयों क्रमशः 'गांधी दर्शन'आत्मनिर्भर भारत और बदलते परिवेश में ग्राम स्वराजकास्वरूप' पर आयोजित की गई थी। गांधी जी के जीवन और दर्शन पर आधारित ऑनलाइन नाटक प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 26 सितंबर से 30 सितंबर के दौरान भा.कृ.अनु.सं.के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए किया गया था।जिनमें से सर्वश्रेष्ठ 3 प्रविष्टियों को पुरस्कार के लिए चुना गया।

दिनांक 2 अक्टूबर को अपराह्न 2 बजे से (आभासी मोड) में "महात्मा गांधी का दर्शन व वर्तमान कृषि" विषय पर वार्ता का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथिडॉ. त्रिलोचनमहापात्रजी थे।कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वतीकी वंदना के साथ हुई और सभी गणमान्य लोगों ने महात्मा गांधी जी को पुष्पांजलि अर्पित की। डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं. ने मुख्य अतिथि और अन्य सभी सम्मानित अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। पूर्व कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ और एक प्रसिद्ध गांधीवादी दार्शनिक पद्मश्रीडॉ. रवींद्र कुमार, ने "महात्मा गांधी का दर्शन व वर्तमान कृषि" विषय पर एक उत्कृष्ट और विचारोत्तेजक व्याख्यान प्रस्तुत किया।उन्होंने गांधीवादी दर्शन के विभिन्न सिद्धांतों और भारतीय कृषि एवं पर्यावरण के लिए इसके महत्व तथा इसे टिकाऊ बनाने की विधियों और साधनों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। डॉ. त्रिलोचनमहापात्र, महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. और सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग ने वैज्ञानिकों और छात्रों से गांधीवादी दर्शन से प्रेरणा लेने और ग्रामीण भारत के किसानों के लिए खेती को एक टिकाऊ और लाभदायक उद्यम बनाने के लिए नवाचार करने का आग्रह किया। विभिन्न स्कूलों के बच्चों को भागीदारी प्रमाणपत्र दिए गए और विभिन्न प्रतियोगिताओं में कुल 20 पुरस्कार मुख्य अतिथिद्वारा वितरित किए गए।

इस कार्यक्रम के आयोजन से छात्रों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं एवं समस्त स्टाफ के बीच गांधी जी के दर्शन के बारे में जागृति बढ़ी और एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। डॉ. वी.के. सिंह संयुक्त निदेशक, प्रसार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।